सूर्यास्त 05.24
न्यूनतम 08.0°
₹ 63,970
₹ 78,600

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 182 कानपुर, बुधवार 03 जनवरी 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

किसानों को दी गई प्राकृतिक एवं जैविक खेती की जानकारी

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों द्वारा आज ग्राम टोडरपुर शेखपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान किसान भाइयों को गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती

विषयक जानकारी दी गई इस अवसर पर किसानों को मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की कमी हो रही है। इसलिए मिट्टी में केंचुआ खाद एवं गोबर की खाद मिलाना नितांत आवश्यक है। जिससे मिट्टी की जीवांश क्षमता को बढ़ाया जा सके और गुणवत्ता परक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। इस अवसर पर उन्होंने किसान भाइयों को गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण जैसे विषयों पर जानकारी दी तथा उन्होंने कहा की इसी तरीके का मौसम रहा तो आलू फसल में पंचायती झुलसा लगने की प्रबल संभावना है जिसका नियंत्रण करना भी आवश्यक है।

डाक पंजीयन संख्या : GPOLW/NP-110/2015-17

R.N.I. No. UPHIN/2013/

द स्वाई ऑफ इण्डिया

लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, सुलतानपुर, कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, जालौन, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर से एक साथ प्रसारित

वर्ष 11 | अंक 62 | हिन्दी दैनिक | लखनऊ, बुधवार, 3 जनवरी 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1.00

विकसित भारत संकल्प यात्रा में किसानों को दी गई प्राकृतिक एवं जैविक खेती की जानकारी

संवाददाता, कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों द्वारा आज ग्राम टोडरपुर शेखपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान किसान भाइयों को गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती विषयक जानकारी दी गई इस अवसर पर किसानों को मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की कमी हो रही है। इसलिए मिट्टी में केंचुआ खाद एवं गोबर की खाद मिलाना नितांत आवश्यक है। जिससे मिट्टी की जीवांश क्षमता को

बढ़ाया जा सके और गुणवत्ता परक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। इस अवसर पर उन्होंने किसान भाइयों को गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण जैसे विषयों पर जानकारी दी तथा उन्होंने कहा की इसी तरीके का मौसम रहा तो आलू फसल में पंचायती झुलसा लगने की प्रबल संभावना है जिसका नियंत्रण करना भी आवश्यक है।

किसानों को दी गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती विषय पर जानकारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम टोडरपुर शेखपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान मंगलवार को किसानो को गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती विषयक जानकारी दी गई।इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की कमी हो रही है। इसलिए मिट्टी में केंचुआ खाद एवं गोबर की खाद मिलाना आवश्यक है। जिससे मिट्टी की जीवांश क्षमता को बढ़ाया जा सके और गुणवत्ता परक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। इस अवसर पर उन्होंने किसानो को गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण जैसे विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसी तरह का मौसम रहने पर आलू फसल में पंचायती झुलसा लगने की प्रबल संभावना है जिसका नियंत्रण करना भी आवश्यक है।

वर्ष-17 अंक-69 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 03 जनवरी 2024

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

RNI No.- UPHIN/2007/27090

किसानों को दी गई प्राकृतिक एवं जैविक खेती की जानकारी

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम टोडरपुर शेखपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान किसान भाइयों को गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती विषयक जानकारी दी गई।इस अवसर पर किसानों को मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की कमी हो रही है। इसलिए मिट्टी में केंचुआ खाद एवं गोबर की खाद मिलाना नितांत आवश्यक है। जिससे मिट्टी की जीवांश क्षमता को बढ़ाया जा सके और गुणवत्ता परक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। इस अवसर पर उन्होंने किसान भाइयों को गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण जैसे विषयों पर जानकारी दी तथा उन्होंने कहा की इसी तरीके का मौसम रहा तो आलू फसल में पंचायती झुलसा लगने की प्रबल संभावना है जिसका नियंत्रण करना भी आवश्यक है।

किसानों को दी गई प्राकृतिक एवं जैविक खेती की जानकारी

कानपुर, 2 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिकों ने आज ग्राम टोडरपुर शेखपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान किसान भाइयों को गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती विषयक जानकारी दी गई। किसानों को मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की कमी हो रही है। इसलिए मिट्टी में केंचुआ खाद एवं गोबर की खाद मिलाना नितांत आवश्यक है। जिससे मिट्टी की जीवांश क्षमता को बढ़ाया जा सके और गुणवत्ता परक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। किसानों को गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि सर्दी बढने पर आलू फसल में पंचायती झुलसा लगने की प्रबल संभावना है जिसका नियंत्रण करना भी आवश्यक है।

ठंड में बारिश से फसलों को होगा फायदा- कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि माह जनवरी शुरुआत में हल्की बारिश से रबी फसलों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि जिन फसलों को पानी की आवश्यकता थी उनको पानी तथा जिन फसलों में रोग लगने की संभावना थी वह कम हो गई है। डॉक्टर खान ने बताया कि जो वर्षा हुई है उसमें फसलों को नुकसान न के बराबर है। अगर वर्षा ज्यादा होती है तो फसलों में नुकसान की संभावना है। डॉक्टर खान ने बताया कि जनपद में रबी फसलों में प्रमुखता गेहूं, चना, सरसों, आलू, मसूर, टमाटर आदि फसल होती हैं उन्होंने किसानों भाइयों से अपील की है कि वह अधिक वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकास की व्यवस्था अवश्य करें।